अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर-दिसम्बर 2021

परीक्षा का नाम : अलंकार पूर्ण (द्वितीय प्रश्नपत्र)

विषय : कथ्थक

दि. 30/01/2022 समय : 3 घंटे (दोपहर 2 से 5) कुल अंक : 100

सूचना : 1) कुल पाँच प्रश्न हल करे ।
2) सभी प्रश्नों के अंक समान है ।

प्र. 1 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये। **(10)**

1. नाट्यशास्त्र के अनुसार अग्रतल संचर ---------- का कार्य है।
2. 11/2 की लयकारी को ---------- लय कहतें हैं।
3. रुद्र ताल में ---------- मात्राएँ होती हैं।
4. नाट्यशास्त्र के अनुसार अधर भेद ---------- हैं।
5. नाट्यशास्त्र के श्लोक -------- तथा -------- कहें जातें हैं।
6. ताल के ---------- प्राण होते हैं।
7. तल पुष्पपुट ---------- का नाम है।
8. लखनऊ घराने के पूर्वजों में पहला नाम ---------- का आता है।
9. मत्त ताल में ---------- मात्राएँ होती हैं।
10. श्लोक या पदव्दारा अपने इष्टदेव की आराधना करने की क्रिया को -- -------- कहा जाता हैं।

ब) जोडियाँ मिलाईये। **(10)**

1. तिरश्चिना	1. अर्जुन
2. शिखर	2. सवाई
3. पेशकार	3. मंच व्यवस्था
4. परमेलु	4. ग्रीवा भेद

5. 24 मात्रा	5. मिश्र बोलों की रचना
6. रेला	6. विलंबित लय
7. गणेश	7. 17 मात्रा
8. कुआड	8. पौने दो
9. नृत्य के उपकरण	9. द्रुत लय
10. बिआड	10. 21 मात्रा

प्र. 2 धमार ताल को 1 लय में और शिखर ताल को 1 लय में (20)
लिपीबध्द कीजिये।

प्र. 3 परिभाषा लिखिये :- (4 X 5=20)

1. बाँट
2. तत्कार में रेला
3. पुरुष ठाठ
4. करण

प्र. 4 लिपीबध्द कीजिये। (कोई 2) (10+10=20)

1. गणेश ताल में चक्रदार परण
2. रुद्र ताल में बेदम तिहाई
3. अर्जुन ताल में फर्माईशी परण

प्र. 5 लखनऊ तथा बनारस घराने की परंपरा का वर्णन कीजिये। (20)

प्र. 6 ठुमरी और कथक- निबंध लिखिये। (20)

प्र. 7 लय, लयकारी और ताल, इनकी कथक नृत्य में विशेषता समझाईये। (20)

प्र. 8 नाट्यशास्त्र के व्याख्याकारों की जानकारी दीजिये। (20)

प्र. 9 करण क्या है ? प्रथम दस करणों के नाम बताकर उनका कथक नृत्य में विनियोग बताईये। (20)

प्र. 10 कृष्ण चरित्र का कथक शैली पर प्रभाव टिप्पणी कीजिये। (20)